बी ए भूगोल पार्ट-1, पेपर-2, इकाई-4

जापान की कृषि

प्रश्न: जापान की कृषि पर निबंध लिखें ।

जापान एशिया के पूर्व में प्रशांत महासागर में स्थित एक औद्योगिक देश है परंतु देश की बृहद आबादी का पोषण करने के लिए कृषि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । जापान में क्रमशः कृषि में लगी हुई जनसंख्या घटती गई और आज मात्र 4 से 6% जनसंख्या ही कृषि कार्य में लगी हुई है। इसी तरह जापान में कृषि योग्य भूमि भी मात्र 16% है । इस प्रकार जापान में कम जनसंख्या कम ही कृषि योग्य भूमि में कृषि करती है ।

जापान में कृषि की विशेषताएं

जापान की अधिकांश भूमि पर्वत-पठारों में है फिर भी जितनी कृषि योग्य भूमि है उतने में ही जापान गहन कृषि करके अपनी जनसंख्या का पेट भरने का प्रयास करता है । जापान की कृषि की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

१. कृषि में उत्तम बीज का प्रयोग
२. रसायनिक खाद व उर्वरक का प्रयोग
३. मशीनों तथा मनुष्य श्रम का अधिक से अधिक प्रयोग कृषि उत्पादन के दृष्टिकोण से किया जाता है ।
४. नवीन कृषि प्रणाली एवं विभिन्न विधियां उत्पादन बढ़ाने में सहायक हुई हैं ।
५. जापान में 1 इंच भी कृषि भूमि बेकार नहीं जाती ना ही कोई क्षेत्र कृषि क्षेत्र ना ही कोई स्थान नहीं कोई वस्तु बर्बाद होती है ।

जापान की कृषि योग्य मैदान

जापान के प्रमुख मैदान निम्नलिखित हैं:

१. कांटों मैदान - टोक्यो के समीप
२. इशीकारी मैदान - दक्षिण पश्चिम होकैडो
३. इचिगो मैदान - होंशु के मध्यवर्ती पश्चिमी तट एवं शिनानो नदी के मुहाने पर
४. नोबी मैदान - नागोया के समीप
५. सैंटाओ मैदान - आंतरिक सागर के पूर्वी तट पर ओसाका के समीप
६. किताकामी मैदान - सेंडाई के उत्तर में, उत्तरी होंशु के प्रशांत तट पर
७. सुकुशी मैदान - पश्चिमी क्यूसू में कुरूमे के चारों ओर

इस प्रकार जापान में कृषि नदी घाटियों व समुद्री तटीय मैदानों तथा डेल्टा में की जाती है । दलदली और बंजर भूमि भागो को सुखाकर कृषि योग्य बनाया जाता है । जापान में प्रति व्यक्ति कृषि भूमि 0.06 हेक्टेयर है । जापान की 70% भूमि सिंचित है ।

फसल	कृषि योग्य भूमि का % भाग
चावल	35
गेहूं	6
जौ	5
सोयाबीन	8
आलू व शकरकंद	10
मोटे अनाज	5
रेशम	10
चाय	2
गन्ना व चुकंदर	2
तम्बाकू	2
कपास	2
अन्य	13
कुल	**100%**

प्रमुख फसलें

खाद्य फसलें - चावल, गेहूं, जो, सोयाबीन, आलू, शकरकंद, मूंगफली, ज्वार-बाजरा तथा मकई आदि
व्यापारिक फसलें - चाय, गन्ना, चुकंदर, तंबाकू, कपास, रेशम आदि ।

फसल	मांग पूर्ति में सक्षम %	आयत %
चावल	80	20
गेहूं	22	78
जौ	52	48
सोयाबीन	28	72
गन्ना व चुकंदर	10	90

खाद्य फसलें

चावल

एशिया की तरह ही जापान का भी प्रमुख भोजन चावल है । यहां कुल कृषि योग्य भूमि के 35% भाग पर चावल की कृषि की जाती है । वैसे संपूर्ण जापान में चावल की खेती होती है ।
चावल की कृषि समतल मैदानों में नदी घाटियों में, कई प्रदेशों में समुद्र तटीय मैदानों में, पर्वतीय ढालो पर सीढ़ीनुमा खेत बना कर की जाती है ।
<u>प्रमुख क्षेत्र - मध्य होंशू, दक्षिण पश्चिम क्यूशू तथा शिकोकू द्वीप</u>

जापान में मानसूनी हवाओं के द्वारा पर्याप्त वर्षा होती है और इस कारण यहां चावल की खेती अच्छी होती है । जापान में प्रति हेक्टेयर चावल का उत्पादन 6700 किलोग्राम है ।

तटीय मैदान में उत्पन्न किया जाने वाला चावल - हटा **Ha ta**

पहाड़ी भाग में उत्पन्न किया जाने वाला चावल - कोटा **Co ta**

दलदली भागों में उत्पन्न किया जाने वाला चावल - टा **Ta**

गेहूं

चावल के बाद यह दूसरा सबसे महत्वपूर्ण फसल है । गेहूं की खेती कृषि योग्य भूमि के 6% भाग में किया जाता है ।

<u>प्रमुख क्षेत्र - आंतरिक सागर का तटीय प्रदेश, क्वान्तो का मैदान, पश्चिमी क्यूशू, तथा होकैडो का पहाड़ी प्रदेश ।</u>

उत्तरी जापान में शरद कालीन गेहूं का उत्पादन होता है जबकि दक्षिणी जापान में बसंत कालीन का उत्पादन होता है ।

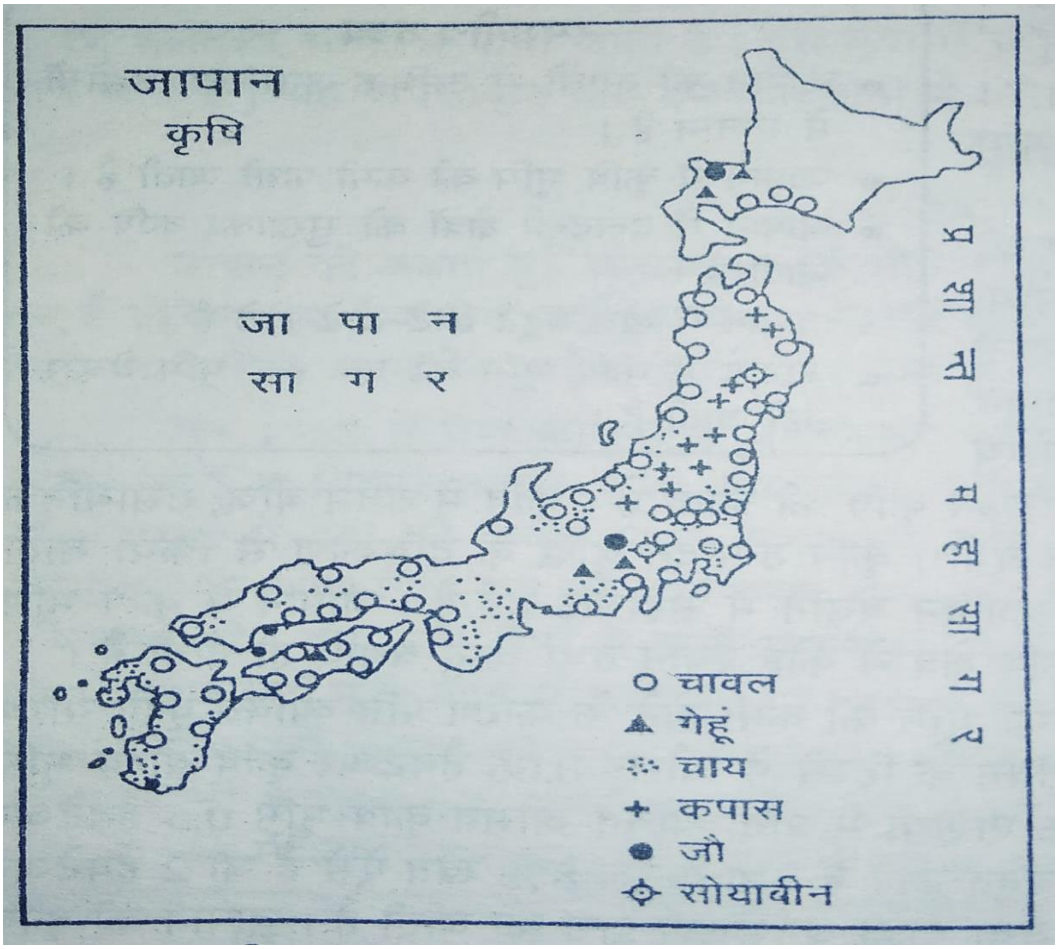

चित्र: जापान में कृषि (एशिया का भूगोल: चतुर्भुज ममोरिया)

जौ

यह जापान की महत्वपूर्ण फसल है । जापान में दो प्रकार की जौ उत्पादित किया जाता है ।
छिलका वाला तथा
बिना छिलका वाला
कुल जौ कृषि भूमि के 40% भाग पर छिलका वाला और 60% भाग पर बिना छिलका वाला जौ उत्पन्न किया जाता है । यह गरीब लोगों का मुख्य भोजन है । यह शरद तथा वसंत ऋतु में उत्पन्न किया जाता है ।
<u>प्रमुख क्षेत्र - दक्षिणी जापान, क्वान्तो मैदान, उत्तर पूर्वी होन्शु तथा उत्तर पश्चिम जापान</u>

सोयाबीन

जापान में सोयाबीन की रोटियां भी खाई जाती है । हालांकि इससे तेल एवं खली प्राप्त की जाती है । यह एक प्रोटीनदायक फसल है । इससे साबुन और कृत्रिम मक्खन भी बनाया जाता है ।
<u>प्रमुख क्षेत्र - होकैडो तथा होन्शू द्वीप</u>

आलू तथा शकरकंदी

जापान में आलू तथा शकरकंद का प्रयोग भोजन के रूप में होता है । हालांकि इससे ग्लूकोज, शराब, स्टार्च आदि बनाया जाता है । कुछ आलू जानवरों को भी खिलाया जाता है । 60% मनुष्य भोजन, 20% स्टार्च, अल्कोहल व ग्लूकोज, 10% जानवर का भोजन, 4% बीज, 6% निर्यात ।
<u>प्रमुख क्षेत्र - होकैडो तथा होन्शू द्वीप का पर्वतीय भाग</u>

मोटे अनाज

इसमें ज्वार, बाजरा, मकई, राई, जई इत्यादि आता है । अधिकांश मोटे अनाज होकैडो द्वीप पर उत्पन्न होता है । यह अनाज मनुष्य तथा पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है ।

उपर्युक्त फसलों के अलावा जापान में साग - सब्जियां, फल, मटर, तिलहन तथा दलहन का उत्पादन भी किया जाता है । फलों की खेती अधिकांशत पर्वतीय भागों में की जाती है । फलों में सेव तथा संतरा प्रमुख रूप से जापान में उगाया जाता है ।

फसल	**उत्पादन (हजार टन)**
चावल	7820
गेहूं	960
जौ	0.2
गन्ना	1260
सोयाबीन	238
आलू	2500
शकरकंद	1500

चाय	80
कपास	33.2
रेशम	30000

व्यापारिक फसलें

चाय

चाय जापान की एक महत्वपूर्ण फसल है । जापानी ग्रीन टी का सेवन बड़े चाव से करते हैं और इसी कारण वह देखने में फिट होते हैं । जापान की सेनया जाति की हरी चाय विश्व प्रसिद्ध है । जापान विश्व का 10% चाय उत्पन्न करता है ।

प्रमुख क्षेत्र - टोक्यो के पश्चिम का क्षेत्र तथा शिजुओका प्रांत चाय उत्पादन में प्रमुख हैं ।

अधिकतर चाय निर्यात कर दी जाती है

गन्ना तथा चुकंदर

इन दोनों फसलों से चीनी बनाई जाती है । हालांकि जापान में गन्ना तथा चुकंदर की खेती बहुत अधिक विकसित नहीं है फिर भी इन से बनी चीनी के से देश की 10% मांग की पूर्ति हो जाती है ।

गन्ना क्षेत्र - दक्षिणी जापान में क्यूसू तथा दक्षिणी होन्शु द्वीप

चुकंदर क्षेत्र - होकैडो द्वीप

तंबाकू

जापान में तंबाकू सरकारी संरक्षण में उगाया जाता है । जापान की जलवायु तंबाकू हेतु अनुकूल है ।

प्रमुख क्षेत्र - होकैडो तथा होन्शु द्वीप

कपास

जापान में ज्वालामुखी द्वारा निःसृत लावा मिट्टी की अधिकता के कारण यहाँ कपास की कृषि भी होती है । जापान में सूती वस्त्र उद्योग काफी उन्नत अवस्था में है ।

प्रमुख क्षेत्र - क्वांटो का मैदान, ओवारी की खाड़ी तथा सुरुगा खाड़ी तट

रेशम

जापान का रेशम विश्व प्रसिद्ध है । यहां पर रेशम से वस्त्र बनाया जाता है । रेशम के कीड़ों को शहतूत तथा ओक की पत्तियों पर पाला जाता है । जापान पूरे विश्व का लगभग 27% रेशम उत्पन्न करता है । यह जापान का सबसे प्रमुख व्यापारिक फसल है । जापान में 85% खेतों में शहतूत के वृक्षों का विस्तार है । शहतूत वृक्ष की विशेषता:

यह पर्वतीय घाटियों, तटीय मैदानों, पर्वत तथा पहाड़ियों में, बिना सिंचाई वाले मध्य भागों में भी उत्पन्न हो जाता है ।

प्रमुख क्षेत्र - नागोया व टोक्यो क्षेत्र

इस प्रकार जापान कृषि के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है । परंतु कृषि भूमि की कमी के कारण यह अपनी आवश्यकता की पूर्ति भी नहीं कर पाता है । हालांकि तकनीकी दक्षता के आधार पर जापान उच्चतम पैदावार प्राप्त करता है ।

- सन्दर्भ: एशिया का भूगोल: चतुर्भुज ममोरिया
- विश्व का भूगोल: महेश बरनवाल
- इन्टरनेट

बोलेंद्र कुमार अगम, सहायक प्राध्यापक, भूगोल, राजा सिंह कॉलेज सिवान